हैकाथॉन/क्राउड सोर्सिंग: इसका उद्देश्य स्टार्ट-अप और इन-हाउस डेवलपर्स के बीच एक परिणाम आधारित प्रौद्योगिकी संस्कृति को बढ़ावा देना है, जिसमें बैंक के लिए अत्याधुनिक समाधानों को चुस्त तरीके से विकसित करने पर ध्यान केंद्रित किया गया है।

उद्यमिता योजना: उद्यमिता (एंटरप्रेन्योरशिप) योजना का उद्देश्य अपने आंतरिक कर्मचारियों को उनके विचारों/अवधारणाओं या उत्पादों को आंतरिक वातावरण में लागू करने के लिए प्रेरित करना है।

फ. ग्राहक सेवा

आपके बैंक ने व्यापक शिकायत प्रबंधन प्रणाली (सीएमएस) के एक अभिन्न अंग के रूप में अत्याधुनिक सीआरएम समाधान लागू किया है। सीआरएम समाधान ग्राहक के प्रति वचनबद्धता बढ़ाने के लिए सर्वांगीण दृष्टिकोण के साथ हमारे हितधारकों की सहायता करता है। सीएमएस के अंतर्गत ग्राहक हमारे विभिन्न चैनलों जैसे संपर्क केंद्र, वेबसाइट, एसएमएस, ईमेल के साथ-साथ हमारी शाखाओं/कार्यालयों के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कर सकते हैं तथा अपनी प्रतिक्रिया व सुझाव दे सकते हैं तथा प्रश्न पूछ सकते हैं। हमारे संपर्क केंद्र देश के चार अलग-अलग भौगोलिक स्थानों पर वर्ष भर चौबीसों घंटे सप्ताह के सातों दिन कार्य करते हैं, ये केंद्र ग्राहकों को हिंदी, अंग्रेजी तथा 10 प्रमुख क्षेत्रीय भाषाओं में सेवा प्रदान करते हैं।

ग्राहक शिकायतों के समाधान की गुणवत्ता में सुधार के लिए, हमने स्थानीय प्रधान कार्यालय स्तर पर विशेष रूप से केंद्रीकृत शिकायत समाधान केंद्र स्थापित किए हैं। ग्राहक शिकायतों का उचित ढंग से समय पर समाधान हमारा उच्च फोकस क्षेत्र है। अतः, हमने ग्राहक शिकायतों के समाधान की गुणवत्ता पर ग्राहकों से प्रतिक्रिया प्राप्त करने की प्रणाली शुरू की है। शाखाओं में ग्राहक सेवा स्तर के आकलन तथा आवश्यकतानुसार सुधारात्मक कार्रवाई के लिए हमने शाखाओं में गोपनीय रूप से जाने की प्रणाली विकसित की है। हम शिकायतों के प्रमुख क्षेत्रों के मूल कारणों का लगातार विश्लेषण करते हैं तथा शिकायतों को कम करने के लिए अपने उत्पादों व प्रक्रियाओं में आवश्यक सुधार करते हैं।

हम डिजिटल बैंकिंग को तेजी से आगे बढ़ा रहे हैं तथा निकट भविष्य में डिजिटलीकरण की अनेक और प्रक्रियाएँ शुरू की जाएंगी। डेटा एनालिटिक्स तथा कृत्रिम बुद्धि से समर्थित हमारा सीआरएम टूल ग्राहकों को अनोखा अनुभव प्रदान करता है और ग्राहकों के संतुष्टि स्तर को बढ़ाता है। वर्ष के दौरान, आपके बैंक ने बृहत ग्राहक संपर्क (मेगा कस्टमर मीट) व ग्राहक टाउन हॉल संपर्क जैसे अनेक आउटरीच कार्यक्रम आयोजित किए। वर्ष के दौरान हमने ग्राहक सेवा सर्वेक्षण भी किए तथा उन सर्वेक्षणों के परिणामों का उपयोग ग्राहक सेवा में सुधार करके ग्राहक का अनुभव बेहतर बनाने के लिए किया। शिकायतों में कमी लाने के लिए वर्ष के दौरान हमने कुछ अभियान चलाए, जिनके परिणाम उत्साहवर्धक रहे।

3. जोखिम प्रबंधन

क. जोखिम प्रबंधन विहंगावलोकन

आपके बैंक में जोखिम प्रबंधन के अंतर्गत लाभ और पूंजी पर जोखिम के नकारात्मक प्रभाव को कम करने के मुख्य उद्देश्य के साथ साथ जोखिम की पहचान, जोखिम का मापन, जोखिम का मूल्यांकन एवं उसका न्यूनीकरण शामिल है।

आपका बैंक किसी भी बैंकिंग व्यवसाय में अंतर्निहित विभिन्न जोखिमों से अच्छी तरह अवगत है। प्रमुख जोखिमों में ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम, चलनिधि जोखिम, एवं आईटी जोखिम शामिल हैं।

आपका बैंक सभी स्तरों पर जोखिम जागरूकता बढ़ाने का माहौल बनाने की दिशा में प्रतिबद्ध है। इसका उद्देश्य विभिन्न जोखिमों से बचने या उनका न्यूनीकरण सुनिश्चित करने के लिए साइबर सुरक्षा उपायों सहित उपयुक्त सुरक्षा उपायों को लगातार उन्नत करना भी है।

आपके बैंक के पास अपने सभी विभागों में व्यवस्थित रूप से इन जोखिमों के मापन, मूल्यांकन, निगरानी एवं प्रबंधन के लिए नीतियाँ और प्रक्रियाएं उपलब्ध हैं, जो इस ऋण, बाजार और परिचालन जोखिमों के अंतर्गत उन्नत दृष्टिकोणों का कार्यान्वयन करने वाले शीर्ष कंपनियों की श्रेणी में खड़ा करता है। वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को अपनाने का लक्ष्य रखते हुए भारतीय स्टेट बैंक ने उद्यम और समूह जोखिम प्रबंधन परियोजनाएँ शुरू की हैं एवं इसके कार्यान्वयन के लिए बाहरी सलाहकारों का सहयोग भी लिया जा रहा है।

बैंक ने बेसल III के कैपिटल रेगुलेशन्स पर भारतीय रिज़र्व बैंक के विनियमों को लागू कर दिया है और आपके बैंक को बेसल III की वर्तमान आवश्यकताओं के अनुसार पर्याप्त रूप से पूंजीकृत किया गया है। कर्तव्यों के पृथकीकरण तथा जोखिम मापन, निगरानी एवं नियंत्रण कार्यों की निरपेक्षता को सुनिश्चित करने के लिए अंतर्राष्ट्रीय सर्वोत्तम प्रथाओं के अनुरूप एक स्वतंत्र जोखिम प्रबंधन संरचना स्थापित की गई है।

यह ढांचा परिचालन स्तर पर व्यावसायिक इकाइयों के सशक्तिकरण को दृष्टि में रखता है, जिसमें प्रौद्योगिकी प्रमुख कारक है, जिससे उत्पत्ति के स्थान पर जोखिम की पहचान और प्रबंधन संभव हो पाता है। आपके बैंक और एसबीआई समूह में विभिन्न जोखिमों की निगरानी और समीक्षा कार्यकारी स्तर की समितियों और बोर्ड (आरएमसीबी) की जोखिम प्रबंधन समिति के माध्यम से की जाती है, जो नियमित रूप से बैठक करती हैं। परिचालन इकाई और व्यावसायिक इकाई स्तर पर भी जोखिम प्रबंधन समितियां बनाई गई हैं।

1. क्रेडिट जोखिम न्यूनीकरण उपाय

आपके बैंक ने क्रेडिट एक्सपोजर में जोखिमों की पहचान, माप, निगरानी और नियंत्रण के लिए मजबूत ऋण मूल्यांकन और जोखिम प्रबंधन ढांचे को लागू किया है। औद्योगिक वातावरण को एक समर्पित टीम द्वारा चिन्हित किए गए 39 उद्योगों/क्षेत्रों में, जो आपके बैंक के कुल अग्रिमों का लगभग 72% है (खुदरा और कृषि को छोड़कर), से प्रत्येक के लिए अपने दृष्टिकोण और विकास की संभावना तय करने के लिए एक संरचित तरीके से स्कैन, शोध और विश्लेषण किया जाता है। इन क्षेत्रों में जोखिमों की लगातार निगरानी की जाती है और जहां भी आवश्यक हो, संबंधित उद्योगों की तत्काल समीक्षा की जाती है। दूरसंचार क्षेत्र में लाइसेंस शुल्क और स्पेक्ट्रम उपयोग शुल्क पर उच्चतम न्यायालय के फैसले, एनबीएफसी के लिए तरलता जोखिम प्रबंधन ढांचे, चीनी उद्योग में निर्यात सब्सिडी, इस्पात क्षेत्र में गिरती कीमतों और एफटीए देशों से बढ़ते आयात जैसी घटनाओं के प्रभाव का विश्लेषण किया गया और संभावित जोखिमों को कम करने के लिए आपके बैंक द्वारा इन स्थितियों पर उचित प्रतिक्रियाओं का विश्लेषण भी किया गया। रियल एस्टेट/टेलीकॉम जैसे संवेदनशील/तनावग्रस्त क्षेत्रों को प्रदत्त ऋणों की समीक्षा छमाही अंतराल पर की जा रही है। पावर, टेलीकॉम, आयरन एंड स्टील, टेक्सटाइल जैसे क्षेत्र, जो एक चुनौतीपूर्ण दौर से गुजर रहे हैं, को लगातार देखा जाता है और नए घटनाक्रमों का विश्लेषण व्यापार समूहों के साथ साझा किया जाता है, ताकि वे उचित ऋण निर्णय ले सकें। विभिन्न स्तरों पर ऑपरेटिंग स्टाफ के लाभ के लिए ज्ञान साझाकरण सत्र आयोजित किए जाते हैं।

प्रत्येक उद्योग के लिए क्रेडिट रेटिंग थ्रेसहोल्ड उसके आउटलुक के आधार पर तय किए जाते हैं। आपका बैंक उधारकर्ता वार क्रेडिट जोखिम का आकलन करने के लिए विभिन्न आंतरिक क्रेडिट जोखिम मूल्यांकन मॉडल और स्कोर कार्ड का उपयोग करता है। उधारकर्ताओं की आंतरिक क्रेडिट रेटिंग के लिए मॉडल बैंक द्वारा स्वयं ही विकसित किए गए हैं। व्यापक सत्यापन और बैक टेस्टिंग

फ्रेमवर्क प्रणालियों के माध्यम से उनकी समीक्षा की जाती है। बैंक के पास 'डायनामिक रिव्यू ऑफ इंटरनल रेटिंग' फ्रेमवर्क भी है, जो तनाव और न्यूनीकरण तंत्र की शीघ्र पहचान की सुविधा प्रदान करता है।

बैंक ने ऋण उत्पत्ति सॉफ्टवेयर/ऋण जीवनचक्र प्रबंधन प्रणाली (एलओएस/एलएलएमएस) के माध्यम से ऋण मूल्यांकन प्रक्रियाओं के लिए एक आईटी प्लेटफॉर्म का आश्रय लिया है। आपके बैंक द्वारा विकसित मॉडल इन प्लेटफार्मों पर होस्ट किए जाते हैं, जो सिबिल और आरबीआई डिफॉल्टर्स की सूचियों के साथ इंटरफेस की क्षमता सम्पन्न हैं।

बैंक ने जोखिम समायोजित रिटर्न ऑन कैपिटल (आरएआरओसी) फ्रेमवर्क कार्यान्वित किया है। ग्राहक स्तर की आरएआरओसी गणना को भी डिजिटाइज्ड किया गया है। इसके अलावा, खुदरा उधारकर्ता चुकौती की निगरानी और स्कोरिंग के लिए व्यवहार मॉडल विकसित किए गए और क्रेडिट जोखिम डेटा मार्ट पर होस्ट किए गए। आपके बैंक ने क्रेडिट जोखिम प्रबंधन सिस्टम के लिए ओरेकल "ओफसा" प्लेटफॉर्म की खरीद की है और सिस्टम का कार्यान्वयन चरणबद्ध तरीके से किया जा रहा है।

भारतीय स्टेट बैंक ने एकल और समूह उधारकर्ताओं के लिए जोखिम संवेदनशील आंतरिक प्रूडेंशियल एक्सपोजर लिमिट फ्रेमवर्क के माध्यम से क्रेडिट केन्द्रीकरण जोखिम प्रबंधन के लिए बेहतर तंत्र लागू किया है। ये उधार सीमाएं उधारकर्ता की आंतरिक जोखिम रेटिंग के आधार पर तय की जाती हैं।

यह ढांचा प्रूडेंशियल एक्सपोजर मानदंडों के विनियामक दिशानिर्देशों से एक कदम आगे है, जो प्रकृति में 'एक आकार सभी पर फिट बैठता है' का दृष्टिकोण रखता है। इन एक्सपोजर मानदंडों की नियमित रूप से एक निश्चित अवधि पर निगरानी की जाती है।

आपका बैंक अपने क्रेडिट पोर्टफोलियो पर हर 6 महीने में तनाव परीक्षण करता है। तनाव परिदृश्यों को नियमित रूप से आरबीआई दिशानिर्देशों, उद्योग की सर्वोत्तम प्रथाओं और मैक्रो-इकोनॉमिक स्थितियों में परिवर्तन के अनुरूप अपडेट किया जाता है।

आपका बैंक एनपीए के उतार चढ़ाव के रुझानों का पता लगाने, ऋण मंजूरी की त्रैमासिक समीक्षा, तय समय-से-चूक आदि की पहचान करने के लिए विशिष्ट विश्लेषणात्मक अध्ययन करता है, ताकि नियमित आधार पर परिसंपत्ति पोर्टफोलियो की गुणवत्ता का ट्रैक रखा जा सके।

आरबीआई ने आपके बैंक को ऋण जोखिम के लिए एडवांस अप्रोच के तहत फाउंडेशन इंटरनल रेटिंग्स बेस्ड (एफआईआरबी) के लिए समानांतर रन प्रोसेस में हिस्सा लेने की अनुमति दी है। एफआईआरबी के समानांतर रन के तहत आंकड़े आरबीआई को सौंपे जा रहे हैं। डिफ़ॉल्ट की संभावना (पीडी), हानि दे चुके डिफ़ॉल्ट (एलजीडी) और एक्सपोजर एट डिफॉल्ट (ईएडी) की संभावना के अनुमान के लिए मॉडल आईआरबी पूंजी की गणना के लिए ऋण जोखिम डेटा मार्ट में होस्ट किए जाते हैं।

जोखिम प्रबंधन विभाग के अंतर्गत पोर्टफोलियो प्रबंधन की नई भूमिका बनाई गई। ऋण पोर्टफोलियो प्रबंधन कार्य समूह पोर्टफोलियो प्रबंधन गतिविधियों का आकलन करते समय लाभप्रदता और जोखिम दृश्य दोनों पर ध्यान केंद्रित करेगा। इनके प्रमुख कार्यों में पोर्टफोलियो जोखिम संभावना और लक्ष्य परिभाषा, पोर्टफोलियो पैकेजिंग, जोखिम आकलन और समीक्षा, और पोर्टफोलियो अनुकूलन आदि शामिल हैं।

2. बाजार जोखिम न्यूनीकरण उपाय

बाजार जोखिम को एक सुपरिभाषित बोर्ड अनुमोदित निवेश नीति, व्यापार नीति और बाजार जोखिम नीति के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है, जो व्यापार जोखिम सीमा/ट्रिगर के माध्यम से विभिन्न ट्रेडिंग डेस्क या विभिन्न प्रतिभूतियों में जोखिम की ऊपरी सीमा तय करता है। इन जोखिम उपायों में स्थिति सीमा, अंतर सीमा, अवधि प्रतिबंध, संवेदनशीलता सीमा जैसे PV01, संशोधित अवधि, मूल्य-पर-जोखिम (VaR) सीमा, स्टॉप लॉस ट्रिगर स्तर, ऑप्शन ग्रीक्स शामिल हैं और प्रतिदिन व्यवसाय की समाप्ति के आधार पर इसकी निगरानी की जाती है। इसके अलावा, विदेशी मुद्रा अंतर सीमा की गणना पर इंट्राडे आधार पर नज़र रखी जाती है ।

मूल्य जोखिम (वीआर) बैंक के ट्रेडिंग पोर्टफोलियो में जोखिम की निगरानी के लिए उपयोग किया जाने वाला एक उपकरण है। आपके बैंक के एंटरप्राइज लेवल वीआर की गणना और बैक टेस्ट प्रतिदिन किया जाता है। बाजार जोखिम के लिए तनावग्रस्त वीएआर की गणना भी रोजाना की जाती है। इसके पूरक के रूप में बोर्ड द्वारा अनुमोदित तनाव परीक्षण नीति और ढांचा भी उपलब्ध है, जो तनाव के नुकसान को मापने और उपचारात्मक उपायों को शुरू करने के लिए विभिन्न बाजार जोखिम परिदृश्यों का अनुकरण करता है।

विनियामक कारकों को लागू करने वाले मानकीकृत माप विधि (एसएमएम) का उपयोग करके आपके बैंक की बाजार जोखिम पूंजी की गणना की जाती है।

बैंक अपने घरेलू और विदेशी विभागों का जोखिम समायोजित निष्पादन विश्लेषण करता है। यह निर्णय लेने के लिए एक उपकरण के रूप में गैर एसएलआर बांड के क्रेडिट रेटिंग माइग्रेशन का भी विश्लेषण करता है।

3. परिचालन जोखिम न्यूनीकरण उपाय

परिचालन जोखिम अपर्याप्त या विफल आंतरिक प्रक्रियाओं, लोगों और प्रणालियों या बाहरी घटनाओं के परिणामस्वरूप होने वाले नुकसान का जोखिम है। आपके बैंक के परिचालन जोखिम प्रबंधन के प्रमुख तत्वों में समय पर घटना रिपोर्टिंग और सिस्टम और नियंत्रण की

लगातार समीक्षा, जोखिम और नियंत्रण का स्व-मूल्यांकन (आरसीएसए) एवं जोखिम जागरूकता कार्यशाला (ओं) के माध्यम से जोखिम जागरूकता को बढ़ाना, प्रमुख जोखिम संकेतकों (KRIs) की निगरानी और व्यापार रणनीति के साथ जोखिम प्रबंधन गतिविधियों को संचालित करना शामिल है।

बैंक के पास व्यवधानों के दौरान शाखाओं और कार्यालयों में संचालन की निरंतरता सुनिश्चित करने के लिए एक विस्तृत व्यावसायिक निरंतरता योजना (बीसीपी) है। बीसीपी ने हमें वर्ष के दौरान हुई प्राकृतिक आपदाओं जैसे कोविद-19 रोग का प्रसार आदि के दौरान न्यूनतम व्यापार व्यवधान सुनिश्चित करने में सक्षम बनाया। इस महामारी के दौरान बैंक ने न केवल कर्मचारियों में इस बीमारी से रोकने के लिए कदम उठाए हैं बल्कि ग्राहकों को निर्बाध आवश्यक बैंकिंग सेवाएं प्रदान कर समाज की मदद की है। साथ ही बैंक ने चौबीसों घंटे एटीएम की उपलब्धता सुनिश्चित की और नेट बैंकिंग, योनो, मोबाइल बैंकिंग आदि का सुचारू संचालन किया।

ये सभी घटक विनियामक आवश्यकताओं का अनुपालन सुनिश्चित करने के अलावा विभिन्न उत्पादों और प्रक्रियाओं में बैंक के परिचालन जोखिम को कम करते हैं।

वित्त वर्ष 2020 के लिए बैंक ने बेसिक इंडिकेटर अप्रोच (बीआईए) के अनुसार परिचालन जोखिम के लिए पूंजी आबंटित की है।

बैंक में जोखिम संस्कृति में सुधार के लिए प्रतिवर्ष 1 सितंबर को जोखिम जागरूकता दिवस मनाया जाता है। संवेदीकरण के हिस्से के रूप में सभी स्टाफ सदस्यों को जोखिम जागरूकता दिवस प्रतिज्ञा दिलाई जाती है और बैंक कर्मचारियों के लिए एक ऑनलाइन प्रश्नोत्तरी प्रतियोगिता आयोजित की जाती है। इसके अलावा हर स्तर पर प्रशिक्षण प्रणाली के माध्यम से जोखिम जागरूकता भी बढ़ाई जा रही है। हमने मंडल वित्त अधिकारियों, बिजनेस यूनिट्स और सर्कल ओआरएम के डीजीएम (जोखिम) के लिए एक प्रशिक्षण कार्यक्रम का आयोजन किया, जहां न केवल डीएमडी (सीआरओ) और डीएमडी (सीओओ) ने प्रतिभागियों को संबोधित किया बल्कि नए और उभरते जोखिमों पर बाहरी सलाहकार द्वारा प्रस्तुति भी दी गई।

4. एंटरप्राइज जोखिम न्यूनीकरण उपाय

एंटरप्राइज जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य पूरे बैंक के स्तर पर जोखिम अनुरूप रणनीति का प्रबंधन करने के लिए एक व्यापक ढांचा तैयार करना है। इसमें जोखिम संभावना, वास्तविक जोखिम आकलन और जोखिम केन्द्रीकरण जैसी वैश्विक सर्वोत्तम प्रथाओं को शामिल किया गया है।

जोखिम की भूमिका को रणनीतिक कार्य में बदलने के लिए आपके बैंक के विजन के हिस्से के रूप में, एक बोर्ड अनुमोदित एंटरप्राइज जोखिम प्रबंधन (ईआरएम) नीति कार्यान्वित की गई है।

एक मजबूत जोखिम प्रोफ़ाइल बनाए रखने के उद्देश्य से, आपके बैंक ने प्रमुख जोखिम मैट्रिक्स के लिए ऋण सीमाओं को शामिल करते हुए एक जोखिम संभावना फ्रेमवर्क विकसित किया है। आपके बैंक में एक मजबूत जोखिम संस्कृति को बढ़ावा देने के लिए, जोखिम संस्कृति फ्रेमवर्क को चरणबद्ध तरीके से कार्यान्वित किया जा रहा है। वास्तविक जोखिम आकलन ढांचे के भाग के रूप में, ऋण जोखिम, बाजार जोखिम, परिचालन जोखिम और चलनिधि जोखिम से बचाव के लिए जोखिम आधारित मापदंडों के त्रैमासिक विश्लेषण को अन्य लोगों के अलावा, बोर्ड की एंटरप्राइज एंड ग्रुप जोखिम प्रबंधन कमेटी (ईजीआरएमसी)/जोखिम प्रबंधन समिति (आरएमसीबी) को प्रस्तुत किया जाता है।

आपका बैंक सामान्य और तनाव की स्थितियों में पूंजी की पर्याप्तता के संबंध में वार्षिक आधार पर एक व्यापक आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (आईसीएएपी) की पूर्ति करता है। आईसीएएपी में, पिलर 1 जोखिमों जैसे ऋण जोखिम, बाजार जोखिम एवं परिचालन जोखिम के अलावा, पिलर 2 जोखिम जैसे चलनिधि जोखिम, इंटरेस्ट रेट रिस्क इन बैंकिंग बुक (आईआरआरबीबी), केन्द्रीकरण जोखिम और अन्य जोखिमों का भी आकलन किया जाता है और जरूरत पड़ने पर इसके लिए पूंजी भी उपलब्ध कराई जाती है। आइसीएएपी में नए और उभरते जोखिमों की पहचान और चर्चा की जाती है।

जोखिम प्रबंधन संरचना

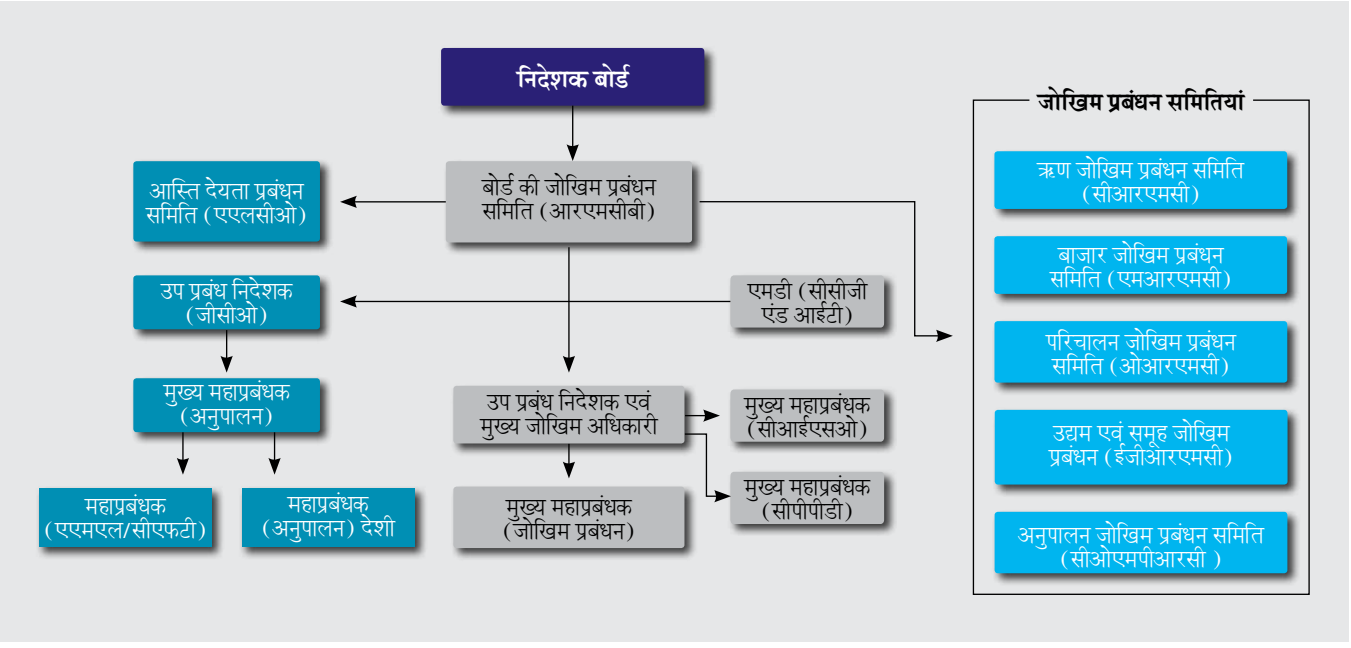

5. समूह जोखिम न्यूनीकरण उपाय

समूह जोखिम प्रबंधन का उद्देश्य समूह संस्थाओं में मानकीकृत जोखिम प्रबंधन प्रक्रियाएं लागू करना है । समूह में जोखिम प्रबंधन, समूह चलनिधि एवं आकस्मिक निधीयन योजना (सीएफपी), आर्म्स लेंथ और इंट्रा ग्रुप ट्रांजैक्शन और एक्सपोजर से संबंधित नीतियां भी कार्यान्वित हैं।

समेकित प्रूडेंशियल एक्सपोजर और समूह जोखिम घटकों पर नियमित रूप से नजर रखी जा रही है। समूह आंतरिक पूंजी पर्याप्तता मूल्यांकन प्रक्रिया (समूह आईसीएएपी) दस्तावेज में सामान्य और तनाव की स्थितियों में समूह संस्थाओं द्वारा चिन्हित किए गए जोखिमों, आंतरिक नियंत्रणों और न्यूनीकरण उपायों और पूंजी मूल्यांकन का आकलन शामिल है। सभी समूह संस्थाएं जहां एसबीआई के पास गैर-बैंकिंग संस्थाओं सहित 20% या उससे अधिक हिस्सेदारी और प्रबंधन नियंत्रण है, आइसीएएपी एक्सरसाइज को अंजाम देते हैं और एकरूपता सुनिश्चित करने के लिए एक समूह आइसीएएपी नीति भी कार्यान्वित की गई है।

6. बेसल कार्यान्वयन

आपके बैंक का निर्धारण नियामक द्वारा डी-एसआईबी के तहत किया गया है और चरणबद्ध तरीके से 1 अप्रैल, 2016 से लागू आरडब्ल्यूए के 0.60% अतिरिक्त कॉमन इक्विटी टियर 1 (सीईटीपी1) को रखना आवश्यक है। यह 1 अप्रैल, 2019 से पूरी तरह प्रभावी हो गया है। इसके अतिरिक्त, इसने चरणबद्ध तरीके से पूंजी संरक्षण बफर (सीसीबी) को भी बनाए रखना शुरू कर दिया है, जो 30 सितंबर, 2020 तक 2.5% के स्तर तक पहुंच जाएगा।

ख. आंतरिक नियंत्रण

आपके बैंक में आंतरिक लेखापरीक्षा (आईए) एक स्वतंत्र कार्यकलाप है। इसे बैंक में पर्याप्त मान्यता, महत्व और अधिकार प्राप्त है। उप प्रबंध निदेशक की अध्यक्षता में गठित आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग बोर्ड की लेखापरीक्षा समिति के मार्गदर्शन और पर्यवेक्षण में काम करता है। आपके बैंक का आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग, जोखिम प्रबंधन और अनुपालन विभागों के समन्वय से कार्य करता है, ताकि प्रभावी नियंत्रण का आकलन, नियंत्रण के साथ अनुपालन का आकलन और आंतरिक प्रक्रियाओं तथा कार्यविधियों का पालन किया जा सके। आपके बैंक का आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग जोखिम आधारित पर्यवेक्षण से संबंधित विनियामक दिशानिर्देशों के अनुरूप बैंक की सभी परिचालन इकाइयों की व्यापक जोखिम आधारित लेखापरीक्षा की देख-रेख करता है।

आपके बैंक में तेजी से हो रहे डिजिटलीकरण के साथ गति बनाए रखने के लिए लेखापरीक्षा विभाग ने प्रौद्योगिकी आधारित सिस्टम पर चलने वाली तथा विश्लेषण आधारित लेखा-परीक्षा की शुरुआत की है, ताकि अधिक दक्षतापूर्ण तथा प्रभावी लेखा-परीक्षा संभव हो सके।

कुछ मुख्य पहल निम्नवत हैं:

- नियंत्रण सहित अनुपालन का शुरुआती स्तर पर आकलन करने के लिए वेब आधारित, ऑनलाइन जोखिम आधारित आंतरिक लेखा-परीक्षा (आर.एफ़.आई.ए.) करना।
- बड़े डेटा के रिमोट आकलन के माध्यम से विश्लेषण आधारित, अनुपालन योग्य नियंत्रणों का आकलन करना।
- लेनदेन पर सिस्टम जनित, विश्लेषण आधारित ऑफसाइट निगरानी रखना।
- व्यवसाय यूनिटों की संगामी लेखा-परीक्षा करना, जिससे अनुपालनों की अद्यतन या वास्तविकता के नजदीक संवीक्षा सुनिश्चित की जा सके।
- संस्वीकृतियों के तुरंत बाद समीक्षा ताकि ₹ 1 करोड़ तथा उससे अधिक के ऋणों की गुणवत्ता का समय रहते आकलन किया जा सके।
- शाखाओं द्वारा ऑनलाइन स्व-लेखा-परीक्षा करना, जिसमें शाखाओं द्वारा स्व आकलन तथा नियंत्रकों द्वारा पुनरीक्षण किया जा सके।

जोखिम केंद्रित आंतरिक लेखापरीक्षा के भाग के रूप में आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग अलग-अलग प्रकार की लेखा-परीक्षा करता है जैसे ऋण लेखा-परीक्षा, सूचना प्रणाली लेखा-परीक्षा, साइबर सुरक्षा लेखा-परीक्षा, होम ऑफिस लेखा-परीक्षा (विदेश स्थित कार्यालयों की लेखा-परीक्षा), संगामी लेखा-परीक्षा, फेमा लेखा-परीक्षा, बैंक के आउटसोर्स्ड कार्यकलाप की लेखा-परीक्षा, व्यय लेखा-परीक्षा तथा अनुपालन लेखा-परीक्षा।

बैंक की सकल जोखिम मूल्यांकन प्रक्रिया के लेखापरीक्षा संबंधी अवलोकन को सुदृढ़ बनाने के लिए आंतरिक लेखापरीक्षा विभाग में एक नए अनुभाग का गठन किया है।

इसके अतिरिक्त यह विभाग विभिन्न खंडों के कारगर होने संबंधी आकलन के लिए प्रबंधन लेखा-परीक्षा तथा लेखा-परीक्षा समितियों एवं विनियामकों के निर्देशों पर विषय अनुरूप लेखा-परीक्षा भी करता है।

शाखा की लेखापरीक्षा

लेखापरीक्षा विभाग आर.एफ़.आई.ए. के माध्यम से लेखा-परीक्षित यूनिटों के संपूर्ण परिचालनों का गहन निरीक्षण करता है। आरबीआई के दिशानिर्देशानुसार जोखिम आधारित पर्यवेक्षण के लिए यह आवश्यक है। घरेलू शाखाओं को उनके व्यवसाय प्रोफाइल तथा अग्रिमों के एक्सपोजर के आधार पर तीन समूहों (समूह I,II और III) में बांटा गया है। आपके बैंक ने लेखा-परीक्षा के लिए शाखाओं का चयन करने के लिए सिस्टम आधारित प्रक्रिया आरंभ की है, जिसके तहत विश्लेषणात्मक अल्गोरिद्म लगाकर अलग तरह से व्यवहार कर रही यूनिटों की पहचान की जाती है। इससे बैंक को ऐसी शाखाओं में समस्या के कारणों की पहचान कर सुधार की कार्रवाई करने के लिए प्राथमिकता के आधार पर लेखा-परीक्षा करने में मदद मिलती है।